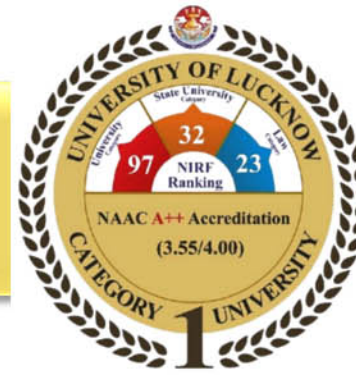




104वें वर्ष में
लविवि के हिस्से की
चार बड़ी उपलब्धियां

और सानध्य रहे। बेट बलाइत
श्रेया सिंह रही। बेट काउसिल
सुदीप रहे।

विधि संकाय के अधिष्ठाता डॉ.
बंशीधर सिंह ने सभी प्रतिभागियों
को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस
प्रकार की प्रतियोगिताओं के महत्व
पर प्रकाश डालते हुए कहा कि
नेगोशिएशन कौशल छात्रों के
पेशेवर विकास में महत्वपूर्ण
भूमिका निभाता है। मुख्य अतिथि
प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने अपने
संबोधन में प्रतियोगिता को एक
प्रेरणादायक प्रयास बताया। उन्होंने
कहा कि छात्रों को व्यवसायिक
कौशल के साथ साथ सामाजिक
समझ की भी विकसित करना
चाहिए, जो इस प्रकार की
प्रतियोगिताओं से संभव है। इस
अवसर पर एडीआर सोसाइटी के
टीचर कोऑर्डिनेटर प्रो. हरिश्चंद्र
राम एवं डॉ. कोशलेंद्र सिंह भी
उपस्थित रहे।